इस बजरंगी के प्यार में कहीं पागल ना हो जाऊं भजन लिरिक्स

इस बजरंगी के प्यार में,
कहीं पागल ना हो जाऊं।bd।

इसके सिर प मुकुट विराजै,
इसके कानों में कुंडल साजै,
मैं इसके कुंडल ने देख क,
कहीं पागल ना हो जाऊं।bd।

इसके हाथ में गदा विराजै,
इसके गले में माला साजै,
मैं इस की माला ने देख क,
कहीं पागल ना हो जाऊं।bd।

इसके तन प चोला साजै,
इसके पैर पजनिया बाजै,
इसकी रुनक झुनक ने देख क,
कहीं पागल ना हो जाऊं।bd।

इसका प्रेम बदन में जागै,
इसका मन भक्ति में लागे,
इसकी भक्ति ने देख क,
कहीं पागल ना हो जाऊं।bd।

इस बजरंगी के प्यार में,
कहीं पागल ना हो जाऊं।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com